प्रगति और प्रदर्शन का आकलन: उच्च प्राथमिक गणित

हिन्दी
कमेंट्री: ध्यानपूर्वक बनाई गई योजना और सतत मूल्यांकन, सारे पाठों की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस वीडियो में शिक्षक, उच्च प्राथमिक गणित की कक्षाके लिए, संख्याओं के वर्ग पर एक पाठ की योजना बना रहे हैं। पाठ के दौरान, वह विद्यार्थियों की प्रगति का आकलन करते हैं, ताकि वह अगले पाठ के लिए योजना बना सकें। शिक्षक साक्षात्कार: हम तीनों लोग मिलकर बैठे थे तो, ये सोचा था कि - किस तरह से grouping करेंगे बच्चों का? किस तरह से जबाब देंगे? क्या चीज और बनाना है? बच्चों को activity में ये कुछ cards भी बनाए हैं, और ये pad भी हमारे विद्यालय में हैं ही। इस तरह से कुछ-कुछ सहायक सामग्री का हमने प्रयोग किया है। **शिक्षक:** चलो, तो आज हम लोग, वर्ग के रूप बैठेंगे? **विद्यार्थी:** Yes, sir. **शिक्षक:** चलिए, तो मैं number बोलूँ? **विद्यार्थी:** Yes, sir. **शिक्षक:** चार तक? **विद्यार्थी:** Yes, sir. **शिक्षक:** चलो। **विद्यार्थी:** एक, दो, तीन, चार। **शिक्षक:** एक... **विद्यार्थी:** दो, तीन, चार। एक, दो, तीन, चार।

शिक्षक: 'दो' group यहाँ आ जाएँ, 'तीन' group वहाँ, 'चार' group पीछे। फटाफट!

शिक्षक साक्षात्कार:

वर्ग जो गणितीय है, abstract maths के अंतर्गत आता है, तो उसको मूर्तरूप में कैसे बच्चों के सामने लेकर के जाऊँ? ताकि वर्ग की केवल संक्रिया न समझ पाएँ, उसको अपने दैनिक जीवन में भी समझ पाएँ, कि यह है क्या चीज़। उसके लिए मैंने, वर्ग, जो आकार होता है, उसका सहारा लिया।

शिक्षक: अब, ये है वर्गाकार?

विद्यार्थी: No, sir.

शिक्षक: क्या करेंगे?

विद्यार्थी: नापेंगे।

शिक्षक: मौका चाहिये?

विद्यार्थी: Yes, sir.

शिक्षक: जाइए तो फिर, चलिए, एक मौका और देता हूँ।

कोई आपके समूह की सहायता चाहिये, तो ले सकते हैं।

विद्यार्थी १: महनाज़?

शिक्षक: मैं आपको एक चीज़ दिखाता हूँ। मुझे लगता है कि, ये आप लोगों से ही बनवाई थी।

विद्यार्थी: Yes, sir.

शिक्षक: लेकिन, आप लोगों को पता नहीं था, कि ये क्यों बनवा रहे हैं।

विद्यार्थी: No, sir.

शिक्षक: अब याद आया?

विद्यार्थी: Yes, sir.

शिक्षक साक्षात्कार:

ये चीज़ें हम लोग, motivate करके बनवाते रहते हैं। जैसे कि ये आप देख रहे हैं, ये इस तरह से, ये

लिखा तो मैंने ही है, ऊपर जो हिन्दी में लिखा हुआ है, ये लिखा मैंने है। लेकिन बच्चों को केवल खेल खिलाने के उद्देश्य से, मैंने ये बनवा लिए थे पहले। और उन्हें ये भी नहीं पता था, कि कहाँ पर मैं इनका use करने वाला हूँ। मैं चाहता था कि, जो भी material विद्यालय में पढ़ाने के लिए प्रयोग करें, बच्चों के ही द्वारा बने, तो ज़्यादा अच्छा रहेगा।

शिक्षक: चलिए, इसमें मेरा प्रश्न ये है, कि किनारा कितने इकाई का है? उसके अन्दर कितने खाने हैं? इकाई खाने कितने हैं?

विद्यार्थी: चार। नौ।

शिक्षक: 'चार' आपने सही बताया। लेकिन कितने खाने हैं - चार इकाई के?

विद्यार्थी २: जी, सोलह।

शिक्षक: सोलह। आपके?

सर जी, तीन वर्ग का है, हमारे में नौ खाने हैं।

शिक्षक: अच्छा, 'दो-की-घात-दो' - बताओ फिर!

विद्यार्थी: Sir जी, दो।

शिक्षक: अच्छा?

विद्यार्थी: चार।

शिक्षक: दो का गुना, दो बार। कितना आएगा?

विद्यार्थी: चार।

शिक्षक: अच्छा? ठीक है। चलो, मैं ऐसे से पूछूँगा, जो बिलकुल नहीं बता रहा है।

छह का वर्ग? बताओ। कोई नहीं बोलेगा।

विद्यार्थी ३: जी, बारह।

शिक्षक: बारह क्यों बताया बेटा?

बारह क्यों बताया बेटा? बताओ?

विद्यार्थी: Sir जी, ये...

शिक्षक: 'छह-दुनी-बारह' किया। और दो क्या था? घात।

विद्यार्थी: घात।

शिक्षक: घात। घात में क्या किया जाता है?

विद्यार्थी ३: Sir जी...

विद्यार्थी: गुना।

विद्यार्थी ३: Sir जी, गुना।

शिक्षक: हाँ, तो छह का गुना छह से, 'छह-छंग'?

विद्यार्थी ३: छत्तीस, sir जी।

शिक्षक: आ गया समझ में?

विद्यार्थी ३: हाँ, आ गया sir.

शिक्षक: तो ये बताओ फिर! आ गया तो!

विद्यार्थी ३: Sir जी, वन्चास।

अध्यापक: उनचास। ठीक है! अब समझ में आ गया सबको?

विद्यार्थी: Yes, sir.

शिक्षक: ये card दे रहा हूँ। आपके पास जो हैं, card... उसके वर्ग बनाकर दिखाईएगा, एक card का। हाँ, इस card का।

लीजिये, आपको क्या मिला है?

विद्यार्थी २: अब हमका, आठ के... आठ के वर्ग बनाना है!

शिक्षक साक्षात्कार:

किस तरह से कक्षा को हम लोग monitoring करेंगे? या assess कैसे करेंगे कि बच्चों को वो आ

गया है? तो उसके लिए भी, हम लोगों ने पहले से ही तैयारी करके रखी हुई है।

देखिए, इसमें हम यहाँ पर, कक्षा में जितने बच्चे हैं, उन बच्चों के नाम लिखे रहते हैं। यहाँ विषय है। ये पाठ का नाम होता है। और ये वो समय है, जिसमें हमें वो पाठ पूरा ख़तम करना है। यहाँ पर, जो आप देख रहे हैं, इसमें दरअसल, वास्तव में यहाँ पर हम date लिखते हैं। लेकिन date का, एक दिन में assess नहीं कर सकते, बच्चे का। आज नहीं समझ में आया; कल वही पाठ चल रहा है, कल समझमें आ सकता है; परसों आ सकता है; क्योंकि हमारा उद्देश्य, बच्चे में कमी निकलना नहीं है; उसमें बढ़ौतरी देखने का है। जो indicator हमें दिखाई दे गया, उसमें हम उनका tick करते जाते हैं। और फिर से जो बच्चे, जिनको level तक नहीं ला पाए हैं, उनको फिर से हम assess करते हैं, और फिर नयी विधि के द्वारा, उनको देने का प्रयास करते हैं।

वैसे वर्ग की समझ, तो मुझे लगता है कि, maximum दो-तीन बच्चों को छोड़ करके, ज़्यादातर को हो गया है। और भुजा और क्षेत्रफल में जो संबंध है, वो शायद मैं skip कर गया, बता नहीं पाया। इसीलिए बच्चे...। संख्या का वर्ग याद करना, ये, पाँच बच्चों को, मुझे लगता है, बड़ा अच्छी तरह से समझ में आया है। बहुत अच्छा response मिला।

ज़्यादा बच्चे जब होते हैं, तो उनको ऐसे group मैं बना देता हूँ, कि जो बच्चे जान गए हैं, और जो नहीं जाने हैं, तो वो आपस में बातचीत करके निकालते हैं। और जहाँ ज़रुरत पड़ती है, ज़्यादा बच्चों को नहीं समझमें आया, तो इसका मतलब, मेरी जो शिक्षणविधा में कहीं न कहीं खोट है, तो मैं उसको बदल देता हूँ। नई विधा का इस्तेमाल करता हूँ।

कमेंट्री:

आप के विद्यार्थियों ने क्या सीखा - इसे आप कैसे दर्ज़ करते हैं? और ये आकलन आगे की योजना में कैसे सहायक होता है?